# भारत ने कोरिया को रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

**सेमीफाइनल में एकतरफा रहा भारत का दबदबा**

**चीन-जापान मुकाबले के विजेता से होगी टक्कर**

**सुप्रिया ने की अपनी हैट्रिक पूरी**

खेल खत्म होने से करीब चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे सुप्रिया ने गोल में तब्दील कर अपनी हैट्रिक पूरी की. इसके साथ ही भारत ने 5-1 की शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया. अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा.

नवभारत न्यूज नेटवर्क

**नई दिल्ली , 12 सितंबर जूनियर महिला हॉकी एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम ने दमदार अंदाज में प्रवेश कर लिया है. सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया. पूरे मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल के साथ मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार तालमेल दिखाया.**

भारत की ओर से सुप्रिया ने हैट्रिक जमाई, जबकि मधु सिधर और सुखवीर कौर ने भी एक-एक गोल कर जीत में अहम योगदान दिया.

भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाए रखा. मधु सिधर ने 13वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई. इसके चार मिनट बाद ही सुप्रिया ने गोल करते हुए बढ़त दोगुनी कर दी. भारतीय हमले लगातार कोरियाई रक्षापंक्ति को परेशान करते रहे. 21वें मिनट में सुखवीर कौर ने तीसरा गोल दागकर भारत को पहले हाफ में 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी.

दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा. सुप्रिया ने 33वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी. हालांकि दक्षिण कोरिया ने 41वें मिनट में जियोंग यूरी के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षा के सामने उसकी आक्रामकता ज्यादा देर नहीं टिक सकी. मैच के अंतिम क्वार्टर में दक्षिण कोरियाई टीम ने लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने हर प्रयास को नाकाम कर दिया.

# 54 साल बाद फाइनल में अश्वेत अमेरिकी

## टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराया, फाइनल में ज्वेरेव से भिड़ेंगे

**23 साल के शेल्टन पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में**

**नवभारत न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली, 12 सितंबर. यूएस ओपन 2026 में अमेरिका के 23 वर्षीय बेन शेल्टन ने इतिहास रच दिया. उन्होंने सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसिस टियाफो को चार सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई.**

इस जीत के साथ शेल्टन 1972 के बाद यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले पहले अश्वेत अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बन गए. साथ ही 2003 के बाद यह पहला मौका है, जब कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचा है. टियाफो ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया. हालांकि इसके बाद शेल्टन ने जोरदार वापसी की. उन्होंने दूसरे सेट में आक्रामक खेल दिखाते हुए 6-3 से जीत दर्ज की. तीसरे सेट में भी शेल्टन ने अपनी लय कायम रखी और 6-3 से सेट अपने नाम कर बढ़त हासिल कर ली. चौथे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला. टियाफो ने वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक मौकों पर शेल्टन ने बेहतरीन खेल दिखाया. उन्होंने 7-5 से चौथा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और पहली बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया.

> सेमीफाइनल जीत के बाद शेल्टन ने अपनी दिवंगत दादी को भी याद किया. उनकी दादी की 11 सितंबर के आतंकवादी हमलों में मौत हुई थी. शेल्टन ने कहा कि उनके माता-पिता और परिवार के त्याग के कारण ही वह इस मुकाम तक पहुंच सके हैं और यह जीत वह अपनी दादी को समर्पित करते हैं.

# सिराज बने हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान

## 11 अक्टूबर को त्रिपुरा के खिलाफ पहला मुकाबला

**नवभारत न्यूज नेटवर्क, हैदराबाद, 12 सितंबर. भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 2026-27 रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए हैदराबाद टीम की कमान सौंपी गई है. हैदराबाद क्रिकेट संघ ने शनिवार को सिराज को कप्तान बनाए जाने की घोषणा की. तेज गेंदबाज चामा मिलिंद टीम के उपकप्तान होंगे.**

रणजी ट्रॉफी का नया सत्र 11 अक्टूबर से शुरू होगा और हैदराबाद अपने अभियान की शुरुआत त्रिपुरा के खिलाफ करेगा. सिराज के लिए हैदराबाद की कप्तानी नई नहीं है. पिछले रणजी सत्र में भी उन्होंने टीम के दो

मुकाबलों में कप्तानी की थी. अब पूरे सत्र के लिए उन्हें टीम की कमान सौंपकर हैदराबाद क्रिकेट संघ ने उनके अनुभव पर भरोसा जताया है. हाल ही में दलीप ट्रॉफी में भी सिराज साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे.

> हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में रखा गया है. इस ग्रुप में हैदराबाद के अलावा सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा की टीमें हैं. ऐसे में सिराज के सामने मजबूत टीमों के बीच हैदराबाद को बेहतर प्रदर्शन कराने की चुनौती होगी. हालांकि हालिया श्रीलंका दौरे पर सिराज की गेंदबाजी की रफ्तार में कमी चिंता का विषय बनी थी. दो मैचों में उन्होंने 44 ओवर गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए थे.

# कम उम्र से ही स्पोर्ट्स साइंस अपनाना चाहिए : डोला बनर्जी

**नवभारत न्यूज नेटवर्क, अहमदाबाद, 12 सितंबर दो बार की ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता तीरंदाज डोला बनर्जी का मानना है कि अगर यह सुनिश्चित किया जाए कि एथलीट कम उम्र से ही स्पोर्ट्स साइंस अपनाएं, तो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के पदकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी.**

साई एनसीओई नारनपुरा में पूर्व रिकर्व तीरंदाज ने कहा, 'हमारे समय में न्यूट्रिशनिस्ट, साइकोलॉजिस्ट और मसाज करने वाले जैसी सुविधाएं नहीं थीं. मेरे करियर के आखिरी दौर में हमारे रूटीन में मेडिटेशन को शामिल किया गया था. उस समय हमें ये चीजें गैर-जरूरी लगती थीं, लेकिन आज प्रतिस्पर्धी खेलों में स्पोर्ट्स साइकोलॉजी और न्यूट्रिशन जैसी चीजें बहुत जरूरी हैं. ये चीजें एथलीटों की ट्रेनिंग का बचपन से ही हिस्सा होनी चाहिए; इन सुविधाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना होगा. '

डोला ने मौजूदा एथलीटों को आधुनिक सपोर्ट सर्विस का बेहतर इस्तेमाल करने की सलाह देते हुए कहा, 'अपनी रोजमर्रा की प्रैक्टिस में इन सपोर्ट सर्विस को शामिल करना एथलीटों की जिम्मेदारी है. आज सिर्फ़ प्रैक्टिस काफी नहीं है. अगर आप दिन में सात घंटे प्रैक्टिस कर रहे हैं, तो पांच घंटे प्रैक्टिस के लिए होने चाहिए और दो घंटे स्पोर्ट्स साइंस पर लगाने चाहिए.

> उन्होंने कहा, 'मुझे एशियाई खेलों में अच्छे नतीजों की उम्मीद है. टीम में कई जूनियर खिलाड़ी शामिल हैं. वे बिना किसी दबाव के खेलते हैं, इसलिए उनके अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है. कंपाउंड तीरंदाजी में हमारी रैंकिंग बहुत अच्छी है, इसलिए कंपाउंड इवेंट से उम्मीदें हैं. रिकर्व में भी पिछली बार (2022 एशियाई खेलों में) पुरुष टीम ने रजत और महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था. हमने रिकर्व में भी अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है. धीरज बोम्मादेवरा अच्छी फॉर्म में हैं.

**एक नजर में**

## भुवनेश्वर ने एफआईटीटी में किया निवेश

**नयी दिल्ली.** क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने खेल में तकनीकी के महत्व को देखते हुए आईआईटी दिल्ली के 'फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर' (एफआईटीटी) में निवेशक के रूप में अपने सफर की शुरुआत की. नई दिल्ली में एफआईटीटी-आईआईटी दिल्ली कैंपस में 'एफआईटीटी फॉरवर्ड' का दूसरा एडिशन शुरू हुआ. दो दिन चलने वाला यह समिट गुरुवार तक चला. उद्घाटन के दिन सुबह क्रिकेट स्टार और निवेशक भुवनेश्वर कुमार और 'एंटरप्रेन्योर इंडिया एंड एपीएसी' के एडिटोरियल डायरेक्टर सचिन मार्या के बीच बातचीत हुई. इस अवसर पर भुवनेश्वर कुमार ने कहा, 'खेलों में टेक्नोलॉजी के लिए बहुत गुंजाइश है. इसने मुझे जिंदगी में बहुत कुछ सिखाया है, खासकर तब जब मैं चोटिल था और स्टेडियम नहीं जा पाता था. आज मैं यहां एक निवेशक के तौर पर हूं, न कि एक खिलाड़ी के तौर पर.

## गुयाना ने ट्रिनबैगो को छह विकेट से हराया

**प्रोविडेंस.** मेहदी हसन मिराज (चार विकेट) और शाई होप (नाबाद 42) रनों की पारी की बदौलत गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने संघर्ष कर रही ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स को छह विकेट से हरा दिया. इस सीजन में नौ मैचों में अमेजन वॉरियर्स की यह आठवीं जीत है और कुल मिलाकर 100वीं सीपीएल जीत थी, जिससे अंक तालिका में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई. शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में अमेजन वॉरियर्स के पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, मेहदी ने पांचवें ओवर में दो विकेट लिए - लगातार गेंदों पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट किया - और अपने चार ओवरों में 23 रन देकर 4 विकेट लिए. मोहम्मद नबी की जगह अमेजन वॉरियर्स में शामिल होने के बाद यह मेहदी का दूसरा मैच था, और उन्होंने अब तक केवल 36 रन देकर सात विकेट लिए हैं.

## हरलीन बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ीं

**बारबाडोस.** भारतीय बल्लेबाज हरलीन देओल मौजूदा चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स से महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के शेष मैचों के लिए जुड़ गई हैं. वह बारबाडोस में टीम के साथ जुड़ी हैं और टीम की पांचवीं विदेशी खिलाड़ी होंगी. देओल इस समय भारत या भारत ए की टीम का हिस्सा नहीं हैं और टूर्नामेंट के अंत तक ट्राइडेंट्स के लिए उपलब्ध रहेंगी. उनके जुड़ने के बाद डब्ल्यूसीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की संख्या पांच हो गई है, जो प्रतियोगिता में उपलब्ध 20 विदेशी खिलाड़ियों की जगहों का एक-चौथाई है. देओल ने 28 अंतरराष्ट्रीय टी-20 खेले हैं और 20 पारियों में 92.01 के स्ट्राइक रेट से 311 रन बनाए हैं.

## अनुभव से मिले आत्मविश्वास का फायदा मिलेगा

**चेपॉक.** देवदत पड़िक्कल को उम्मीद है कि घरेलू क्रिकेट में कप्तानी के अपने अनुभव से मिले आत्मविश्वास का उन्हें फायदा मिलेगा, जब वह आगामी चार दिवसीय मुकाबलों में पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत की कप्तानी की शुरुआत करेंगे. पड़िक्कल ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में पंजाब के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मुकाबले से पहले मयंक अग्रवाल से कर्नाटक की कप्तानी संभाली थी. अतिरिक्त जिम्मेदारी का उनकी बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने सलामी बल्लेबाचज के तौर पर चौथी पारी में 85 गेंदों पर नाबाद 120 रन बनाए, जिससे कर्नाटक ने मोहाली में 250 रन का लक्ष्य महज 28 ओवर में हासिल कर लिया. इसके बाद उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड के साथ लखनऊ में खेले गए सेमीफाइनल में करियर का सर्वश्रेष्ठ 232 रन बनाया और कप्तान के तौर पर एक और प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन किया.

# एशियाई खेलों में बदलती भारत की तस्वीर

**नवभारत न्यूज नेटवर्क**

**नई दिल्ली, 12 सितंबर. 1951 में नई दिल्ली से शुरू हुआ भारत का एशियाई खेलों का सफर अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां पदकों की संख्या से ज्यादा नजरें नए रिकॉर्ड बनाने पर हैं.**

आजाद भारत ने जब पहली बार एशियाई खेलों की मेजबानी की थी, तब खेलों में बड़ी उपलब्धियों की उम्मीदें जरूर थीं, लेकिन संसाधन सीमित थे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाने की चुनौती भी बड़ी थी. सात दशक से ज्यादा के सफर में भारतीय खिलाड़ियों ने संघर्ष, उतार-चढ़ाव और शानदार उपलब्धियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई. अब तक भारत एशियाई खेलों में कुल 779 पदक जीत चुका है, जिनमें 183 स्वर्ण, 239 रजत और 357 कांस्य शामिल हैं.1951 में नई दिल्ली में हुए पहले एशियाई खेल भारत के लिए सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं थे.

**नजरें आइची-नागोया पर**

प्रतियोगिता के अंत में भारत के खाते में 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य समेत कुल 107 पदक थे. यह उपलब्धि सिर्फ आंकड़ा नहीं थी, बल्कि सात दशक से चली आ रही 100 पदकों की मानसिक सीमा को तोड़ने का क्षण था. अब नजरें आइची-नागोया पर हैं. चुनौती सिर्फ 100 पदकों का आंकड़ा पार करने की नहीं, बल्कि 107 की ऐतिहासिक उपलब्धि को पीछे छोड़कर भारतीय खेलों के नए दौर की शुरुआत करने की है.

# वैभव सूर्यवंशी ने शमी को दी खास जर्सी

**नवभारत न्यूज नेटवर्क**

**चेन्नई, 12 सितंबर. दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मोहम्मद शमी के लिए सिर्फ खिताबी जीत के कारण खास नहीं रहा. यह मुकाबला उनके प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर का 100वां मैच भी था. इस यादगार मौके को 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने और खास बना दिया. फाइनल के बाद वैभव ने शमी को ईस्ट जोन के सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली विशेष जर्सी भेंट की.**

युवा बल्लेबाज के इस अंदाज ने शमी को भावुक कर दिया. इसके बाद अनुभवी तेज गेंदबाज ने वैभव की जमकर तारीफ की और उनकी कम उम्र को लेकर

दिलचस्प बात कही.

शमी ने बताया कि इतनी कम उम्र में ही वैभव ने ईस्ट जोन के ड्रेसिंग रूम में अपनी अलग पहचान बना ली है. उन्होंने कहा कि वैभव चीजों को बहुत जल्दी समझता है और नई बातें सीखने की उसकी क्षमता शानदार है.

> मजाकिया अंदाज में शमी ने कहा कि वैभव की उम्र लगभग उतनी है, जितना उनका क्रिकेट करियर रहा है. शमी के मुताबिक वैभव में अभी युवाओं वाली मासूमियत है. उसे मस्ती-मजाक करना पसंद है, लेकिन इसके साथ ही वह मैदान और ड्रेसिंग रूम में नई चीजों को तेजी से सीख रहा है. शमी ने युवा बल्लेबाज के इस स्वभाव की सराहना की. दलीप ट्रॉफी का फाइनल ईस्ट जोन ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीतकर 13 साल बाद खिताब अपने नाम किया. चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शमी ने भी अहम भूमिका निभाई.

# डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट का खिताब जीता

**नवभारत न्यूज नेटवर्क, बुडापेस्ट, 12 सितंबर शुक्रवार को बुडापेस्ट में ठंडी और बारिश वाली रात में शुरू हुई पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में स्वीडन के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर मोंडो डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर के साथ पुरुषों का पोल वॉल्ट इवेंट जीता.**

तापमान गिरकर लगभग 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने के बावजूद, दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने 6.20 मीटर तक बिना किसी गलती के प्रदर्शन किया. इसके बाद उन्होंने अपने ही वर्ल्ड रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से बेहतर करने की कोशिश में बार को 6.32 मीटर पर सेट किया. हालाँकि, वे तीनों प्रयासों में सफल

नहीं हो पाए.ग्रीस के स्टार एमानुएल करालिस 6.15 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नॉर्वे के सोंद्रे गुटोरमसेन 5.95 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे. डुप्लांटिस ने कहा, 'मैं इस इवेंट में घबराहट और उत्साह दोनों के साथ उतरा था. अल्टीमेट चैंपियन बनने के लिए यह मेरे लिए एक ज़रूरी चीज़ थी.' डुप्लांटिस, जिन्होंने चैंपियनशिप के लिए 'गोल्ड' गाना लिखा है, प्रतियोगिता के आखिरी दिन यह गाना गाएंगे.

महिलाओं की हाई जंप में, यूक्रेन की ओलंपिक चैंपियन और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर यारोस्लावा महूचिक ने 1.99 मीटर के साथ खिताब जीता. बाद में उन्होंने 2.04 मीटर की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाईं और जंप के बीच गर्म रहने के लिए अपने जाने-पहचाने स्लीपिंग बैग का इस्तेमाल किया. ऑस्ट्रेलिया की निकोला ओलिसलागर्स 1.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं. चैंपियनशिप का पहला खिताब मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले में अमेरिका ने जीता.

**महिला टी20 एशिया कप** चमारी अटापट्टू बोलीं- हमारी टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हरा सकती है

# फाइनल से पहले भारत को श्रीलंकाई कप्तान की खुली चुनौती

**नवभारत न्यूज नेटवर्क**

**दुबई, 12 सितंबर. महिला टी20 एशिया कप 2026 के फाइनल में भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा. मुकाबले से पहले श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने भारतीय टीम को खुली चुनौती दी है.**

अटापट्टू ने कहा कि उनकी टीम में मैच का रुख बदलने वाले कई खिलाड़ी हैं और अगर टीम अपनी रणनीति को सही तरीके से मैदान पर उतारने में सफल रहती है तो वह किसी भी टीम को हरा सकती है. ऐसे में फाइनल से पहले श्रीलंकाई कप्तान के बयान ने मुकाबले का रोमांच बढ़ा दिया है. भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए अजेय है. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई. दूसरी ओर गत चैंपियन श्रीलंका ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को चार विकेट से मात दी. पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 130 रन बनाए थे. श्रीलंकाई टीम ने आठ गेंद शेष रहते छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया.

- 13 को दुबई में भारत-श्रीलंका खिताबी मुकाबला
- भारत अब तक टूर्नामेंट में अजेय, श्रीलंका गत चैंपियन

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद अटापट्टू ने अपनी टीम की बल्लेबाजी की गहराई और गेंदबाजी इकाई की तारीफ की. उन्होंने कहा कि हर्षिता, नीलाक्षिका और कविशा जैसी खिलाड़ी टीम के लिए अच्छी फिनिशर की भूमिका निभा रही हैं. इसके अलावा गेंदबाजी में भी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है.

> **मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम**
>
> अटापट्टू के मुताबिक श्रीलंका के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो दबाव की स्थिति में भी मुकाबले का रुख बदल सकते हैं. उन्होंने कहा कि फाइनल में अगर उनकी टीम अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करती है तो वह किसी भी टीम को हराने में सक्षम है. भारत और श्रीलंका के बीच होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होगा. भारत जहां अपना शानदार अभियान खिताब के साथ खत्म करना चाहेगा, वहीं गत चैंपियन श्रीलंका लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा.